दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, गुरुवार 22 जुलाई 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 292

महत्वपूर्ण एवं खास

सीतापुर में दीवार गिरने से 7 लोगों की मौत, दो लोग घायल

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में दीवार गिरने की घटनाओं में 7 लोगों की मौत हुई और 2 लोग घायल हो गए है। सीतापुर के ज़िलाधिकारी ने बताया, सीतापुर में बीती रात भारी बारिश से तीन जगहों पर मकान या दीवार गिरने से 7 लोगों की मौत हुई और 2 लोग घायल हैं।

ओलंपिक 2020 का दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो पर प्रसारण

नई दिल्ली (आरएनएस)। इस बार ओलंपिक 2020 की महा कवरेज देखें, जो प्रसार भारती आपके लिए लाया है दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो के अपने दोनों नेटवर्क के जरिए और अपने समर्पित स्पोर्ट्स चैनल डीडी स्पोर्ट्स के माध्यम से। यह प्रसारण देश भर में हमारे टीवी, रेडियो और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध होगा, जिसमें ओलंपिक के शुरू होने से पहले की गतिविधियों से लेकर ओलंपिक की समाप्ति के बाद की गतिविधियों का समावेश होगा।

जंगल में लगी आग, आपातकाल की घोषणा

मॉस्को । कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में जंगलों में लगी भीषण आग को देखते हुए प्रांत में आपातकाल स्थिति घोषित कर दी है। प्रांतीय सरकार जंगल में लगी आग की स्थिति को देखते हुए प्रांत में आपातकाल की घोषणा कर रही है। उन्होंने कहा कि आपातकाल 14 दिनों के लिए लागू रहेगा और आवश्यकता पड़ने पर इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्थानीय अधिकारियों ने पूरे प्रांत में 299 जंगलों में आग घटनाएं सामने आयी है। करीब 6,000 लोगों को निकाला गया है और 32,000 से अधिक लोगों को निकाले जाने अलर्ट मिला है। प्रांत के सभी हिस्सों में आग बुझाने में 3,000 से अधिक दमकलकर्मी लगे हुए हैं।

जम्मू के सतवारी में फिर दिखा ड्रोन, अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू के सतवारी इलाके में एक बार ड्रोन की हरकत देखी गई है। यह ड्रोन आज सुबह करीब 4.15 पर रायपुर सतवारी में दिखा। सतवारी इलाके में इस ड्रोन को सबसे पहले सेना के जवानों ने देखा। इसके बाद सेना ने स्थानीय पुलिस स्टेशन में भी इसे लेकर सूचना दी है। इसके बाद से ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। इलाके में तलाशी अभियान लगातार जारी है। आतंकियों द्वारा ड्रोन का इस्तेमाल लगातार किए जाने पर पुलिस महकमा चिंतित है। डीजीपी दिलबाग सिंह ने पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा की रणनीति दोबारा बनाने के लिए कहा है। साथ ही आतंकियों के ड्रोन इस्तेमाल करने को लेकर सतर्क रहने के लिए भी कहा गया है। वहीं 20 जुलाई को डीजीपी ने पुलिस, बीएसएफ, सीआरपीएफ और सैन्य अफसरों के साथ उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की। इसमें सुरक्षा को लेकर गहरा मंथन किया गया। पुलिस अधिकारियों से कहा कि वह अपने-अपने क्षेत्र में सुरक्षा मजबूत करें। हर एक जिले में नए सिरे से रणनीति बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकियों के खिलाफ अभियान जारी रहना चाहिए और इनकी मदद करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाए। इसके लिए पुलिस और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के बीच तालमेल होना जरूरी है। सीमांत इलाकों में अधिक सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसके लिए पुलिस पोस्टों और नाकों पर अतिरिक्त तैनाती करने के लिए कहा गया, ताकि किसी भी तरह की घुसपैठ पर नजर रखी जा सके, क्योंकि आतंकी लगातार घुसपैठ का प्रयास कर रहे हैं। ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। ड्रोन के जरिए आतंकी अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। इसलिए ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने ईद-उल-अजहा पर लोगों को दी बधाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा,ईद मुबारक! ईद-उल-अजहा की हार्दिक शुभकामनाएं। यह दिन समाज की बेहतरी के लिए सामूहिक सहानुभूति, सद्भाव और समावेश की भावना को आगे बढ़ाए।

पेगासस मामला : गृह मंत्रालय समेत कई विभागों के अफसरों से पूछताछ करेगी संसदीय समिति

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस नेता शशि थरूर की अध्यक्षता वाली आईटी मामलों की संसदीय समिति पेगासस से जुड़े मामले पर गृह मंत्रालय समेत कई विभागों के सरकारी अधिकारियों से पूछताछ करेगी। समिति की बैठक 28 जुलाई को होगी।

पेगासस मामले को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ट्वीट कर कहा था कि पेगासस मामला एक गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता है और सरकार को इस पर अपना स्पष्टीकरण देना चाहिए। थरूर ने कहा, यह साफ हो चुका है कि भारत में फोन की जांच दरअसल पेगासस की घुसपैठ थी। उन्होंने कहा था कि यह उत्पाद केवल सरकारों को ही बेची जाती है, तो सवाल उठता है कि किस सरकार को बेचा गया। यदि भारत सरकार कहती है कि उसने नहीं किया, तो किसी और सरकार ने किया। तब तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा का और भी गंभीर मामला है।

28 जुलाई को होगी बैठक

लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, थरूर के नेतृत्व वाली सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से जुड़ी संसदीय समिति की बैठक 28 जुलाई को निर्धारित है। इस बैठक का एजेंडा नागरिक डाटा सुरक्षा एवं निजता है। इस समिति में अधिकतर सदस्य सत्तारूढ़ भाजपा से हैं। समिति ने इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी एवं गृह मंत्रालय के अधिकारियों को बुलाया है।

उठेगा जासूसी का मामला- सूत्रों ने कहा कि बैठक में पेगासस फोन टैपिंग का मामला निश्चित रूप से सामने आएगा और अधिकारियों से जानकारी मांगी जाएगी। पेगासस स्पाईवेयर का उपयोग करते हुए जासूसी का विषय संसद में और उसके बाहर बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। इसके कारण संसद के मानसून सत्र में दो दिन विपक्षी सदस्यों ने भारी शोर शराबा किया। इससे पहले थरूर ने पूरे कथित जासूसी प्रकरण को राष्ट्रीय सुरक्षा चिंता बताया था और सरकार से स्पष्टीकरण मांगा था।

सरकार ने जासूसी की खबरों को किया खारिज- सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पेगासस सॉफ्टवेयर के जरिये भारतीयों की जासूसी करने संबंधी खबरों को सोमवार को सिरे से खारिज करते हुए कहा था कि संसद के मॉनसून सत्र से ठीक पहले लगाये गए ये आरोप भारतीय लोकतंत्र की छवि को धूमिल करने का प्रयास हैं। लोकसभा में स्वत- संज्ञान के आधार पर दिए गए अपने बयान में वैष्णव ने कहा था कि जब देश में नियंत्रण एवं निगरानी की व्यवस्था पहले से है तब अनधिकृत व्यक्ति द्वारा अवैध तरीके से निगरानी संभव नहीं है।

क्या है मामला- गौरतलब है कि मीडिया संस्थानों के अंतरराष्ट्रीय संगठन ने खुलासा किया है कि केवल सरकारी एजेंसियों को ही बेचे जाने वाले इस्राइल के जासूसी साफ्टवेयर के जरिए भारत के दो केन्द्रीय मंत्रियों, 40 से अधिक पत्रकारों, विपक्ष के तीन नेताओं और एक न्यायाधीश सहित बड़ी संख्या में कारोबारियों और अधिकार कार्यकर्ताओं के 300 से अधिक मोबाइल नंबर, हो सकता है कि हैक किए गए हों। यह रिपोर्ट रविवार को सामने आई है। सरकार ने अपने स्तर पर खास लोगों की निगरानी संबंधी आरोपों को खारिज किया है। सरकार ने कहा कि इसका कोई ठोस आधार नहीं है या इससे जुड़ी कोई सच्चाई नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में अब दूसरे राज्य के पुरुष भी बन सकेंगे स्थानीय निवासी

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर प्रशासन ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू के स्थानीय निवासी बनने के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। नियमों के मुताबिक अब दूसरे राज्यों में रहने वाले लोग, जिन्होंने कश्मीरी लड़की से शादी की है। वो भी अब राज्य के स्थायी निवासी बन सकते हैं। इसके लिए सरकार उनको डोमिसाइल सर्टिफिकेट जारी करेगी। जम्मू और कश्मीर में जब तक अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए लागू था, तब तक ऐसी दशा में सिर्फ महिला ही कश्मीर की स्थायी निवासी रहती थी, उसके बच्चों और पति को इस दायरे से बाहर रखा गया था। अगर कश्मीरी पुरुष किसी महिला से शादी करता था तो उसे और उसके बच्चों को स्थायी निवासी माना जाता था।

वहीं पुरुषों के सबंध में इस नियम में पहले ही ढील मिली हुई थी। वे किसी भी दूसरे राज्य की महिला से शादी कर सकते थे, उससे होने वाले बच्चे कश्मीर के स्थायी निवासी ही माने जाते। कहा जा रहा है कि प्रशासन का यह कदम लैंगिक असमानता खत्म करने के लिए है। जम्मू और कश्मीर प्रशासन की ओर से यह अधिसूचना 20 जुलाई, 2021 को जारी की गई है।

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने 5 अगस्त 2019 को इस धारा को हटाने का प्रस्ताव रखा था। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन का प्रस्ताव पेश किया था। 6 अगस्त को इसी प्रस्ताव को लोकसभा में रखा गया था, जो दोनों सदनों में चर्चा के बाद पास हो गया था। अनुच्छेद 370 और 35 ए को रद्द कर दिया गया था। इस अनुच्छेद की वजह से देश के कई कानून जम्मू और कश्मीर में लागू नहीं होते थे। अब इन अनुच्छेदों के हटने के बाद से ही लगातार जम्मू और कश्मीर के नियमों में बदलाव किए जा रहे हैं। दरअसल संविधान का अनुच्छेद 35 ए से जम्मू-कश्मीर की सरकार और वहां की विधानसभा को ही स्थायी निवासी की परिभाषा तय करने का अधिकार मिलता था।

जंतर-मंतर पर आज से हर दिन जुटेंगे 200 प्रदर्शनकारी किसान, बिलों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (आरएनएस)। संसद के मॉनसून्त्र सत्र के दौरान सदन में सरकार को कई मुद्दों पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। अब इसी कड़ी में सरकार की मुसीबत थोड़ी और बढ़ सकती है। हालांकि, यह मुसीबत संसद के बाहर है। बीते साल नवंबर महीने से ही दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने अब ऐलान किया है कि वे 22 जुलाई यानी कल से हर दिन जंतर-मंतर पर किसान संसद का आयोजन करेंगे। सिंघु बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे संगठनों ने फैसला किया है कि गुरुवार से हर रोज 200 किसान जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। किसान नेताओं ने बताया कि 22 जुलाई से हर रोज 200 किसान प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर जाएंगे। यह प्रक्रिया संसद के मॉनसून सत्र खत्म होने तक जारी रहेगी। हम हर दिन एक स्पीकर और डेप्युटी स्पीकर चुनेंगे। पहले दो दिनों में एपीएमसी ऐक्ट पर चर्चा होगी। बाद में अन्य बिलों पर भी दो-दो दिन चर्चा के लिए दिए जाएंगे। किसान प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली पुलिस से मुलाकात की थी। इस दौरान किसानों ने कहा था कि वे जंतर-मंतर पर शांतिपूर्वक प्रदर्शन करेंगे और संसद तक मार्च करेंगे। जंतर-मंतर पर हर दिन सुबह 10 से शाम 5 बजे तक प्रदर्शन चलेगा। संसद का मॉनसून सत्र 13 अगस्त तक चलेगा। यह 19 जुलाई से शुरू हुआ है। किसान संगठन बीते साल 26 नवंबर से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अलग-अलग बॉर्डरों पर केंद्र के लाए तीन कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं।

देश में कोरोना ने फिर पकड़ी रफ्तार, एक दिन में दस गुणा बढ़ी मौत

» 24 घंटे में 42,123 नए मामले, 3998 की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर की रफ्तार धीमी पड़ने के बाद एक बार गति पकड़ती नजर आ रही है। तीसरी लहर की आशंका के बीच देश में एक बार फिर दैनिक कोविड मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। देश में पिछले 24 घंटे में 42,123 नए कोरोना मरीज मिले हैं और 3998 लोगों की मौत हो गई। देश में बीते दिन हुई मौतें पिछले 39 दिनों में सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले 11 जून को 3996 लोगों की मौत हुई थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में एक दिन में कोविड-19 से मौत के 3,998 मामले सामने आने के बाद देश में इस महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 4,18,480 हो गई। महाराष्ट्र के 14वीं बार संक्रमण के आंकड़ों का मिलान करने के कारण एक दिन में मौत के इतने मामले सामने आए हैं। मंत्रालय के अनुसार एक दिन में संक्रमण के 42,015 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की

संख्या बढ़कर 3,12,16,337 हो गई। मंत्रालय ने बताया कि महाराष्ट्र ने 14वीं बार राज्य में संक्रमण के आंकड़ों का मिलान किया, जिससे राज्य में संक्रमण के मामले 2,479 और उससे हुई मौत के मामलों की संख्या 3,509 बढ़ गई। आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी बढ़कर 4,07,170 हो गई, जो कुल मामलों का 1.30 फीसदी है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कुल 1,040 की बढ़ोतरी हुई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 97.36 फीसदी है।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार अभी तक कुल 44,91,93,273 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है, जिनमें से 18,52,140 नमूनों की जांच मंगलवार को की गई। देश में नमूनों के संक्रमित आने की दैनिक दर 2.27 फीसदी है।

चुनौतियों के समाधान करने में विश्वविद्यालयों की अहम भूमिका : नायडू

नई दिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने विश्वविद्यालयों से जलवायु परिवर्तन, गरीबी और प्रदूषण जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान तलाशने का सुझाव देते हुए कहा कि विश्व के सामने पेश आ रही चुनौतियों का स्थायी और उचित समाधान निकालने में विश्वविद्यालय प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।

नायडू ने बुधवार को ओपी जिंदल विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल माध्यम से आयोजित विश्व विश्वविद्यालय शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि ऑनलाइन शिक्षा, कक्षा में प्रदान की जाने वाली पारंपरिक शिक्षा पद्धति का विकल्प नहीं हो सकती। ऐसे में हमें ऑनलाइन एवं ऑफलाइन शिक्षा के श्रेष्ठ तत्वों को समाहित करते हुए भविष्य के लिये शिक्षा का मिश्रित मॉडल

विकसित करने की जरूरत है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विश्वविद्यालयों को विश्व के सामने आ रहे विभिन्न सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों के बारे में विचार-विमर्श करना चाहिए तथा ऐसे विचारों के साथ सामने आना चाहिए, जिन्हें सरकारों द्वारा अपनी जरूरतों और अनुरूपता के अनुसार लागू किया जा सके।

उपराष्ट्रपति नायडू ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों में तेजी लाने के लिए मजबूर किया है, जिससे हमें शिक्षा प्रदान करने और सीखने की अधिक न्यायसंगत प्रणाली का निर्माण करने में सहायता मिल सकती है। उन्होंने ऑनलाइन शैक्षणिक व्यवस्था में लगातार सुधार करने और उसे नवीनतम करने की जरूरत पर जोर दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऑफलाइन और ऑनलाइन शिक्षा के सर्वश्रेष्ठ तत्वों को शामिल करते हुए भविष्य के लिए एक मिला-जुला शिक्षण मॉडल विकसित किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसा मॉडल शिक्षा ग्रहण करने वालों के साथ-साथ शिक्षक के लिए भी परस्पर प्रभाव डालने वाला और दिलचस्प होना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक शिक्षण परिणाम सुनिश्चित हो सकें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा का अर्थ सिर्फ व्याख्यान देना ही नहीं है बल्कि छात्रों की स्वतंत्र सोच और रचनात्मकता को विकसित करना है।

उन्होंने कहा कि सक्रिय आलोचनात्मक सोच के माध्यम से शिक्षार्थियों को उनके चुने हुए क्षेत्रों में ही ढाला जाना चाहिए, ताकि वे सामाजिक परिवर्तन के वाहक के रूप में विकसित हो सकें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मौजूदा महामारी ने हमें यह अहसास कराया है कि दुनिया की कोई भी राजनीति भविष्य के अज्ञात खतरों के खिलाफ पूरी तरह से तैयार नहीं है। 'कोई भी तब तक सुरक्षित नहीं है जब तक कि हर कोई सुरक्षित न हो' उक्ति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर संकट प्रबंधन के लिए बहु-आयामी, बहु-सांस्कृतिक, सामूहिक दृष्टिकोण के लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता होती है।

चीन में बाढ़ से 12 लोगों की मौत, हजारों लोगों को बचाया गया

बीजिंग । मध्य चीन में रिकॉर्ड तोड़ बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 100,000 से ज्यादा लोगों ने अपने घरों को छोड़ कर चले गए। चीन के हेनान प्रांत के एक दर्जन से ज्यादा शहर, जिसमें उसकी प्रांतीय राजधानी झेंग्झौ भी प्रभावित हैं। ऑनलाइन प्रसारित होने वाले फुटेज में सड़कों और रेलवे स्टेशनों पर लोगों को पानी में डूबते हुए दिखाया गया है।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि बाढ़ की रोकथाम की स्थिति बहुत गंभीर थी और गंभीर स्तर पर है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से पहले ही जान और संपत्ति को काफी नुकसान हुआ है और सभी विभागों को लोगों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

लगभग 94 मिलियन लोगों के घर हेनान प्रांत ने अपने उच्चतम स्तर की मौसम चेतावनी जारी की है। स्थानीय अधिकारियों ने बाढ़ को 100 वर्षों में एक बार घटित होने वाली घटना कहा है। सप्ताहांत में बारिश शुरू हुई और मंगलवार को तूफान तेज हो गया।

झेंग्झौ और हेनान प्रांत के अन्य स्थानों में व्यापक बाढ़ देखी गई। तेजी से बढ़ते बाढ़ के पानी में लोगों के बह जाने और जलमग्न सड़कों पर कारों और मलबे के बहने की ऑनलाइन रिपोर्टें थीं।

आदमी से आदमी में संक्रमण दुर्लभ, घबराने की जरूरत नहीं

» बर्ड फ्लू पर एम्स के निदेशक डा. गुलेरिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। एवियन इन्फ्लूएंजा से देश में पहली मौत की पुष्टि के बीच अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रमुख रणदीप गुलेरिया ने बुधवार को कहा कि एच5एन1 वायरस का मानव से मानव में संक्रमण बहुत दुर्लभ है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। एम्स निदेशक ने आरएनएस से कहा कि हालांकि संपर्क में आने से बचना चाहिए और वायरस के कारण जहां पर बच्चे की मौत हुई, उस क्षेत्र से नमूने लिए जाने की जरूरत है तथा कुक्कुटों की मौत पर

नजर रखनी चाहिए।

हरियाणा के 12 वर्षीय लड़के की एच5एन1 वायरस के संक्रमण से हाल में एम्स दिल्ली में मौत हो गयी। गुलेरिया ने कहा कि पक्षियों से मानवों में वायरस का संक्रमण बहुत दुर्लभ है और एच5एन1 का मानव से मानव में संक्रमण का मामला अब तक साबित नहीं हुआ है। इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। डॉ. गुलेरिया ने कहा, लेकिन पोल्ट्री के निकट काम करने वाले लोगों को निश्चित तौर पर एहतियात बरतना चाहिए और साफ-सफाई रखना चाहिए। एम्स में मेडिसीन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नीरज निश्चल ने कहा कि एवियन इन्फ्लूएंजा मुख्य रूप से पक्षियों की बीमारी है और मानव से मानव के बीच संक्रमण का अब तक प्रमाण नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि हालांकि संक्रमण से प्रभावित कुछ छिटपुट क्षेत्रों का पता चला है। इन क्षेत्रों में दुर्लभ स्थिति में संक्रमण का प्रसार हो सकता है। हालांकि मानव से मानव के बीच संक्रमण का कोई प्रमाण नहीं मिला है। डॉ निश्चल ने कहा, सीरो सर्वेक्षण में बिना लक्षण वाले मामलों में कोई प्रमाण नहीं मिला है और उपचार के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों में संक्रमण फैलने के कोई सबूत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई ठीक से पका हुआ पोल्ट्री उत्पाद खा रहा है तो चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

हरियाणा के 12 साल के लड़के की मौत- एम्स के एक सूत्र ने कहा था कि 12 वर्षीय लड़के को दो जुलाई को निमोनिया और ल्यूकेमिया की दिक्कतों के साथ एम्स में भर्ती कराया गया था। उसकी 12 जुलाई को मृत्यु हो गई। इलाज के दौरान कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा की जांच की गयी। सूत्र ने कहा था कि लड़के की कोविड-19 जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई। इन्फ्लूएंजा संक्रमण की पुष्टि हुई। नमूने को राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान पुणे भेजा गया जहां एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा की पुष्टि हुई।

वायरस मनुष्यों को आसानी से संक्रमित नहीं करता- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, लोगों में एच5एन1 संक्रमण के लगभग सभी मामले संक्रमित जीवित या मृत पक्षियों या एच5एन1 प्रभावित वातावरण के निकट संपर्क से जुड़े हैं। वर्तमान में उपलब्ध महामारी विज्ञान की जानकारी से पता चलता है कि वायरस मनुष्यों को आसानी से संक्रमित नहीं करता है और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संक्रमण फैलना दुर्लभ प्रतीत होता है। जब लोग संक्रमित होते हैं तो मृत्यु दर लगभग 60 प्रतिशत होती है।